डेरी विकास विभाग,– उत्तराखण्ड

आउटकम बजट 2022–23 का प्रारूप

विभाग का नाम–डेरी विकास विभाग, उत्तराखण्ड विभाग के अन्तर्गत प्रस्तावित प्रमुख एस0डी0जी0.....

(धनराशि लाख ` में)

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले/बजट		1.4.2021 की वास्तविक स्थिति (भौतिक स्थिति)	31.03.2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2022–23	आउटकम हेतु सम्भावित समयावधि
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	निदेशन एवं प्रशासन	कार्मिकों के वेतन, भत्ते तथा कार्यालय संचालन हेतु सहायता	1490.14	–	156 विभागीय अधिकारियों व कार्मिकों के वेतन भत्तों का भुगतान किया गया।	150 विभागीय अधिकारियों व कार्मिकों के वेतन भत्तों का भुगतान किया जायेगा।	206 विभागीय अधिकारियों व कार्मिकों के वेतन भत्तों का भुगतान किया जायेगा।	विभागीय अधिकारियों व कार्मिकों की कार्य क्षमता में वृद्धि होगी।	01 वर्ष
राज्य योजना (चालू योजना)									
1.	डेरी विकास योजना	दुग्ध संघों में अवस्थापना विकास तथा अन्य आवर्ती व्यय में सहायता प्रदान करना।	520.00	–	1. 1600 समिति सचिवो को प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया गया। 2. दुग्ध उपार्जन पर हो रहे यातायात व्यय से 23000 सदस्य लाभान्वित किया गया। 3. 200 दुग्ध उत्पादकों व 50 विभागीय कार्मिकों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। 4. सेन्ट्रल डेरी लैब में 2650 सैम्पल की टेस्टिंग की गयी।	1. 1570 समिति सचिवो को प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जायेगा। 2. दुग्ध उपार्जन पर हो रहे यातायात व्यय से 15524 सदस्य लाभान्वित किया जायेगा। 3. सेन्ट्रल डेरी लैब में 1980 सैम्पल की टेस्टिंग की जायेगी। 4. दुग्ध उत्पादक सहकारी संघों में ई0आर0पी0 सिस्टम स्थापित किया जायेगा।	1. 2650 समिति सचिवो को प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जायेगा। 2. दुग्ध उपार्जन पर हो रहे यातायात व्यय से 28000 सदस्य लाभान्वित किया गया। 3. 200 दुग्ध उत्पादकों व 50 विभागीय कार्मिकों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। 4. सेन्ट्रल डेरी लैब में 2650 सैम्पल की टेस्टिंग की जायेगी। 5. 50 ग्रुप सचिवों के मानदेय का भुगतान किया जायेगा।	1. दुग्ध उपार्जन में वृद्धि। 2. पर्वतीय क्षेत्रों में सुदूरवर्ती ग्रामों में दुग्ध समितियां स्थापित कर रोजगार सृजित होगा।	03 वर्ष
			–	200.00	दुग्ध संघो में मशीनरी संयत्रों यथा डीजल जनरेटर, मिल्क टेस्टिंग सॉफ्टवेयर, जालापूर्ति ,विद्युत व्यवस्था तथा पशु शैड की स्थापना की गयी।	दुग्ध संघो में होमोजिनाईजर मशीन, विद्युत व्यवस्था, डीजल जनरेटर तथा अन्य प्लान्ट मशीनरी स्थापित किये जायेगे।	दुग्ध संघो में मशीनरी संयत्रों की स्थापना तथा आवश्यक सिविल निर्माण कार्य किये जायेगें।	1. दूध विक्री में वृद्धि होगी। 2. दुग्ध उत्पादकों के उचित दुग्ध मूल्य प्राप्त होगा।	01 वर्ष
2.	महिला डेरी विकास योजना	महिलाओं का आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान करते हुए विकास की मुख्य धारा में जोड़ना।	440.00	–	1. ग्राम स्तर पर 30 महिला दुग्ध समितियों का गठन किया गया। 2. 600 महिला दुग्ध उत्पादकों को समितियों से जोड़ा गया। 3. 30 महिलाओं को ग्राम स्तर पर प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराया गया।	1. ग्राम स्तर पर 28 महिला दुग्ध समितियों का गठन किया जायेगा। 2. 560 महिला दुग्ध उत्पादकों को समितियों से जोड़ा जायेगाा। 3. 28 महिलाओं को ग्राम स्तर पर प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा। 4. 524 महिला दुग्ध उत्पादकों कों प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जायेगा।	1. ग्राम स्तर पर 60 निष्क्रिय महिला दुग्ध समितियों का पुनर्गठन किया जायेगा। 2. 900 महिला दुग्ध उत्पादकों को समितियों मे सक्रिय किया जायेगा। 3. 60 महिलाओं को ग्राम स्तर पर प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराया गया। 4 900 महिला दुग्ध उत्पादकों कों प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जायेगा।	1. महिलाओं को आय के साधन सुलभ होने से उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। 2.महिलाओं में नेतृत्व, आत्मविश्वास एवं आत्म निर्णय की भावना जागृत होगी।	03 वर्ष
					दुग्ध समिति गठन कर 700 लीटर प्रतिदन दुग्ध उपार्जन में वृद्धि की गयी।	दुग्ध समिति गठन कर 700 लीटर प्रतिदन दुग्ध उपार्जन में वृद्धि की जायेगी।	दुग्ध समिति गठन कर 1350 लीटर प्रतिदन दुग्ध उपार्जन में वृद्धि की जायेगी।	उपरोक्त	01 वर्ष

3.	सहकारी डेरी प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना	राज्य के परिप्रेक्ष्य में दुग्ध उत्पादकों को पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन से सम्बन्धित जानकारियां उपलब्ध कराना।	50.00	–	1. सहकारी प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से 178 दुग्ध उत्पादकों व 27 कार्मिकों को आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया।	1. सहकारी प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से 698 दुग्ध उत्पादकों व 40 कार्मिकों को आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जायेगा।	सहकारी प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से 1000 दुग्ध उत्पादकों तथा 100 कार्मिकों को आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जायेगा।	1. दुग्ध उत्पादक राज्य की जलवायु के अनुसार पशुपालन एव दुग्ध उत्पादन में प्रशिक्षत होगें। 2. परीक्षण उपरान्त दुग्ध उत्पादकों को हो रही व्यवहारिक कठिनाईयों का समाधान हो सकेगा।	03 वर्ष
4.	दुग्धशाला का सुदृढ़ीकरण	वर्तमान परिप्रेक्ष्य में दुग्धशालाओं का सुदृढ़ीकरण, आधुनिकीकरण एवं क्षमता विस्तार करना।	–	100.00	जनपद देहरादून अन्तर्गत रेफ्रिजरेशन यूनिट तथा ब्यलर यूनिट स्थापित की गयी।	दुग्ध संघों के अन्तर्गत अवस्थापना विकास समबन्धी कार्य किये जायेगें।	दुग्ध संघों के अन्तर्गत अवस्थापना विकास समबन्धी कार्य किये जायेगें।	दुग्ध संघों की वर्तमान क्षमता का विस्तार होगा।	02 वर्ष
5.	दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन	ग्राम स्तर पर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु दुग्ध उत्पादकों को उनके द्वारा दुग्ध समिति में उपलब्ध कराये जा रहे दूध के आधार पर प्रोत्साहन राशि प्रदान किया जाना।	4700.00	–	52000 दुग्ध उत्पादक सदस्यों को दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन राशि प्रदान की गयी।	53000 दुग्ध उत्पादक सदस्यों को दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी।	54000 दुग्ध उत्पादक सदस्यों को दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी।	1. अधिक से अधिक दुग्ध उत्पादको को सहकारी समितियों से जोडना। 2. ग्राम स्तर पर पशुपालन हेतु प्रोत्साहित करना	01 वर्ष
6.	गंगा गाय महिला डेरी विकास योजना	ग्रामीण महिलाओं का आर्थिक एवं सामाजिक उन्नयन करना।	600.00	–	दुग्ध सहकारी समितियों को 1720 उच्च नस्ल के दुधारू पशु उपलब्ध कराते हुए रोजगार सृजन किया गया।	दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों को 1788 उच्च नस्ल के दुधारू पशु उपलब्ध कराये जायेगें।	दुग्ध सहकारी समितियों के दुग्ध उत्पादक सदस्यों को 2000 उच्च नस्ल के दुधारू पशु उपलब्ध कराते हुए रोजगार सृजन किया जायेगा।	1. ग्रामीण दुग्ध उत्पादकों को आर्थिक रूप से स्वावलम्बी बनाना। 2. दुग्ध समितियों के अन्तर्गत उपार्जन में वृद्धि करना।	01 वर्ष
7.	दुग्ध संघ कार्मिकों हेतु स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना	रूग्ण दुग्ध संघों के कार्मिकों को स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति प्रदान कर सम्बन्धित दुग्ध संघों के आवृत्ति व्यय में कमी स्थायी कमी करना।	200.00	–	––	1–दुग्ध संघ टिहरी गढ़वाल के 14 कार्मिकों के लम्बित वेतन तथा भुगतान की गयी। 2–दुग्ध संघ श्रीनगर–गढवाल के कार्मिकों के लम्बित वेतन तथा भुगतान किये जायेगे।	रूग्ण दुग्ध संघों के कार्मिकों को स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति प्रदान की जायेगी।	रूग्ण दुग्ध संघों के आवृत्ति व्यय में स्थायी कमी होने के कारण दुग्ध संघ लाभ की ओर अग्रसर होगें।	01 वर्ष
8.	साईलेज एवं पशुपोषण /घस्यारी योजना	दुग्ध सहकारी समिति के सदस्यो को दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु साईलेज एवं मिनिरल मिक्सचर उपलब्ध कराया जाना।	2500.00	–	दुग्ध समिति के सदस्यों को 1460 मै0 टन साईलेज, 5500 मै0 टन सन्तुलित पशु आहार एवं 20 मै0टन मिनिरल मिक्सचर उपलब्ध कराया गया।	दुग्ध समिति के सदस्यों को 1175 मै0 टन साईलेज, 8600 मै0 टन सन्तुलित पशु आहार एवं 31 मै0टन मिनिरल मिक्सचर एवं 250 मै0टन काम्पैक्ट फीड ब्लाक उपलब्ध कराया जायेगा।	दुग्ध समिति के सदस्यों को 2000 मै0 टन साईलेज, 15000 मै0 टन सन्तुलित पशु आहार एवं 50 मै0टन मिनिरल मिक्सचर मै0टन मिनिरल मिक्सचर एवं 400 मै0टन काम्पैक्ट फीड ब्लाक उपलब्ध कराया जायेगा।	1. दुधारू पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार होगा। 2. दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होगी।	01 वर्ष
9.	पशुचारा परिवहन अनुदान योजना	पशुआहार तथा साईलेज के ढुलान हेतु परिवहन अनुदान उपलब्ध कराया जाना।	300.00	–	1460 मै0 टन साईलेज, 12000 मै0 टन सन्तुलित पशु आहार परिवहन हेतु अनुदान उपलब्ध कराया गया।	1175 मै0 टन साईलेज, 14000 मै0 टन सन्तुलित पशु आहार तथा 250 मै0 टन कम्पैक्ट फीड ब्लाक के परिवहन हेतु अनुदान उपलब्ध कराया जायेगा।	2000 मै0 टन साईलेज, 15000 मै0टन सन्तुलित पशु आहार एवं 400 मै0टन कम्पैक्ट फीड ब्लाक के परिवहन हेतु अनुदान उपलब्ध कराया गया।	1. दुग्ध उत्पादक को उचित दर पर पशुचारा उपलब्ध होने से उत्पादन लागत में कमी आयेगी। 2. दुगध उत्पादक की आय में वृद्धि होगी।	01 वर्ष

10.	नाबार्ड द्वारा वित्त पोषित (RIDF योजना)	ग्रामीण क्षेत्रों से उत्पादित दूध हेतु दुग्ध संग्रहण, प्रसंस्करण तथा विपणन इकाईयों की स्थापना	–	1000.00	जनपद नैनीताल तथा पौड़ी में क्रमशः 10 हजार लीटर क्षमता का अवशीतन केन्द्र व 5000 लीटर क्षमता की प्रसंस्करण इकाई की स्थापना की गयी।	जनपद हरिद्वार में 5000 लीटर दैनिक क्षमता के अवशीतन केन्द्र की स्थापना की जायेगी।	जनपद चम्पावत में 20000 लीटर क्षमता की दुग्धशाला तथा जपनद देहरादून व हरिद्वार की दुग्धशालाओं का सुदृढीकरण व क्षमता विस्तार किया जायेगा।	जनपद में दुग्ध अवशीतन व प्रसंस्करण की क्षमता विस्तार से दुग्ध संघों के व्यापार में वृद्धि होगी, जिससे दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ेगी।	01 वर्ष
11.	निदेशालय निर्माण कार्य (बृहद निर्माण)	निदेशालय हल्द्वानी(नैनीताल) में विभागीय निदेशालय के निर्माण कार्य हेतु	–	500.00	–	–	जनपद नैनीताल में डेरी विकास विभाग निदेशालय भवन का निर्माण किया जायेगां	विभागीय कार्यकलापों में वृद्धि करना	01 वर्ष
12.	केन्द्रीय योजनाओं में राज्य का अंश	दुग्ध सहकारी संघों में अवस्थापना विकास।	–	150.00	1. दुग्ध समितियों में डाटा प्रोसेसिंग मिल्क कलेक्शन यूनिट की स्थापना । 2.. पर्वतीय क्षेत्र की दुग्ध समितियों में रेफ्रिजरेटेड मिल्क केन की स्थापना। 3. दूध की कोल्ड चैन बनाये रखने हेतु रफ्रिजरेटेड/इन्सुलेटेड मिल्क वैन, डीप फ्रिज तथा विजी कूलर स्थापित किये गये।	––	दुग्ध संघ नैनीताल की प्रसंस्करण क्षमता 1.5 लाख लीटर प्रतिदिन किये जाने हेतु आवश्यक प्लांट मशीनरी की स्थापना की जायेगी।	1. दुग्ध उत्पादको की आय में वृद्धि होगी। 2. दूध की गुणवत्ता में सुधार होगा। 3. दुग्ध संघ के लाभ में वृद्धि होगी।	03 वर्ष

केन्द्रपोषित योजना									
1..	राष्ट्रीय डेरी विकास योजना	दुग्ध सहकारी समितियों में अवस्थापना विकास।	–	0.01	––	–	––		

सतत् विकास लक्ष्यों हेतु प्रारूप

क्र0सं0	**SDG संकेतक**	**1–4–2021 की वास्तविक स्थिति(भौतिक स्थिति)**	**31.03.2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)**	**परिकल्पित आउटपुट (भौतिक स्थिति) 2022–23**	**परिकल्पित आउटकम (भौतिक स्थिति) 2022–23**
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**
विभाग अन्तर्गत SDG संकेतक निर्धारित नही है।					